

---

# Shri Dandapani or Yaksharaja Ashtakam

श्रीदण्डपाण्यष्टकम् अथवा श्रीयक्षराजाष्टकम्

## Document Information

---

Text title : Dandapani Ashtakam

File name : daNDapANyaShTakam.itx

Category : deities\_misc, aShTaka

Location : doc\_deities\_misc

Transliterated by : NA

Proofread by : NA

Latest update : May 18, 2019

Send corrections to : sanskrit@cheerful.com

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

December 11, 2021

*sanskritdocuments.org*

---

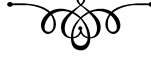
---

## Shri Dandapani or Yaksharaja Ashtakam

---

### श्रीदण्डपाण्यष्टकम् अथवा श्रीयक्षराजाष्टकम्

---



रत्नगर्भाङ्गजोद्भूत पूर्णभद्रसुशोत्तम ।  
निर्विघ्नं कुरु मे यक्ष काशीवासं शिवाप्तये ॥ १ ॥

धन्यो यक्षः पूर्णभद्रो धन्या काञ्चनकुण्डला ।  
ययोज्ज्वरपीठेऽभूर्दण्डपाणो मलामते ॥ २ ॥

जय यक्षपते धीर! जय पिङ्गललोचन ।  
जय पिङ्गजटाभार जय दण्डमलायुध ॥ ३ ॥

अविमुक्तमलाक्षेत्रसूत्रधारोऽग्रतापस ।  
दण्डनायक भीमास्य जय विश्वेश्वरप्रिय ॥ ४ ॥

सौम्यानां सौम्यवदन भीषणानां भयानक ।  
क्षेत्रपापधियां काल मलाकाल मलाप्रिय ॥ ५ ॥

जय प्राणद यक्षेन्द्र काशीवासान्न मोक्षद ।  
मडारत्नस्फुरद्रश्मियययर्थितविग्रह ॥ ६ ॥

मलासम्भ्रान्तिजनक मडोद्भ्रान्तिप्रदायक ।  
अभक्तानां य भक्तानां सम्भ्रान्त्युद्भ्रान्तिनाशक ॥ ७ ॥

प्रान्तनेपथ्यचतुर जयज्ञाननिधिप्रद ।  
जयगौरीपदाब्जाले मोक्षेक्षणविद्यक्षण ॥ ८ ॥


यक्षराजाष्टकं पुण्यमिदं नित्यं त्रिकालतः ।  
जपामि मैत्रावरुणे वाराणस्यासिकारणम् ॥ ९ ॥

दण्डपाण्यष्टकं धीमान् जपन्विघ्नैर्नजातुयित् ।  
श्रद्धया परिभूयेत काशीवासकृत् लभेत् ॥ १० ॥


प्रादुर्भावं दण्डपाणोः शृण्वन् स्तोत्रमिदं गृणन् ।  
विपत्तिमन्यतः प्राप्य काशीं जन्मान्तरे लभेत् ॥ ११ ॥

एति श्रीस्कन्दप्रणीतम् श्रीदण्डपाण्यष्टकं अथवा  
श्रीयक्षराजाष्टकं सम्पूर्णम् ।

---

——  
*Shri Dandapani or Yaksharaja Ashtakam*

pdf was typeset on December 11, 2021

——  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

